an>

Title: Regarding alleged involvement of doctors in fraudulent practices adopted while giving treatment to patients.

श्रीमती रंजीत रंजन (सुपौल) : माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सदन को बताना चाहती हूं कि कल एक चैनल ने दो घंटे का स्टिंग ऑपरेशन दिखाया है। हम कॉलिंग अटैंशन में इस विषय को उठाते रहे हैं और यह देश के लिए भी चिंता का विषय बनता जा रहा है। डॉक्टर्स को भगवान के बाद दूसरा दर्जा दिया जाता है। यह कहा जाता है कि अगर ऊपर भगवान है तो नीचे डॉक्टर्स इंसान को बचाने के लिए भगवान का रूप होते हैं। जब डॉक्टर्स के पास कोई इलाज कराने जाता है तो अपना तन, मन, धन सब कुछ दे देता है और उसे कुछ नहीं पता होता कि क्या इलाज हो रहा है। अब आए दिन इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। चाहे लैब हो, डाइग्नोस्टिक सैंटर हो या प्राइवेट अस्पताल हो, एक तरफ प्राइवेट अस्पताल लोगों को मनमाने ढंग से लूटने रहे हैं और दूसरी तरफ सरकारी अस्पतालों में, एम्स जैसे संस्थान में इतनी भीड़ है कि कम से कम एक दिन में 50,000 मरीज आते हैं। मेरा मकसद किसी एक की शिकायत करना नहीं है। पिछले साल भी स्टिंग ऑपरेशन हुआ था। अगर इलाज में 50,000 रुपए लगने होते हैं तो 16,000 रुपए लिए जाते हैं, ऐसा स्टिंग ऑपरेशन से पता चलता है। 50 परसेंट का मार्जन दलाली का होता है, डॉक्टर्स के कमीशन का होता है। आईसीयू में मरे हुए मरीज को रखकर इलाज के लिए पैसे लिए जाते हैं, पैसे ऐंठे जाते हैं। सर्वे से पता चलता है कि गरीब आदमी की 70 प्रतिशत आमदनी इलाज में जाती है।

आखिर सरकार इस तरह के जो स्टिंग ऑपरेशंस हो रहे हैं, डॉक्टर्स और लैब मनमानी कर रहे हैं, बिहार में तो अधिकतर लैब्स में नर्सिंग एक्ट ही लागू नहीं है। जिस तरह से फर्जी डॉक्टर्स इलाज कर रहे हैं, पिछले साल जब स्टिंग ऑपरेशन हुआ, कल मैं भी उस चैनल में थी, डॉ. अग्रवाल भी उस चैनल में थे, उन्होंने कहा कि एमसीआई इसकी जांच कर रही थी, फिर हैल्थ मिनिस्ट्री ने इस मामले को ले लिया और हैल्थ मिनिस्ट्री ने इस संबंध में अभी तक कुछ नहीं किया है, एक साल बीत गया है। डॉ. हर्षवर्धन जी का आ रहा था कि उन्होंने स्टेटमेंट दी थी। मैं जानना चाहती हूं कि आखिर उस पर क्या कार्रवाई की गई है?

कार्रवाई नहीं होने के कारण ही आज लैब वाले हों या डॉयगनॉस्टिक सेंटर वाले हों, चाहे एमआरआई करने वाले हों, चाहे इलाज करने में मनमानी करने वाले हों, उन्होंने यह तय कर लिया है कि हम जो भी करना चाहते हैं, हम करेंगे। यह देश के मरीजों के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। यह बहुत ही गंभीर चिंता का विषय है कि दूसरे देशों में अगर आप देखें तो हैल्थ एक ऐसा मुद्दा है जिसमें अपने देश के लोगों की हैल्थ के साथ सौदा नहीं किया जाता है। लेकिन हमारे देश के अस्पताल और खासकर प्राइवेट अस्पताल किस ओर जा रहे हैं कि एयरपोर्ट में भी उनके दलाल और जो कमीशनखोर वहां पर होते हैं, ऐसे लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की जाएगी? इस मनमानी को, इलाज करने वाले ऐसे फर्जी डॉक्टर्स को मनमाने तरीके से इलाज करने से हम कैसे रोकेंगे? इस पर आपके माध्यम से मेरा सरकार से यही आग्रह है कि इसको राजनीतिक दृष्टि से न देखा जाए क्योंकि यह हमारे देश के लोगों के और उन 70 प्रतिशत गरीबों के संबंध में हैं जिनकी खाल तक को इलाज के नाम पर लूट लिया जाता है। सरकार इस दिशा में जरूर कुछ ठोस कार्रवाई करे, ऐसा मेरा सरकार से निवेदन है।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और

श्री निशिकांत दुबे को श्रीमती रंजीत रंजन द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।